Baba’s Praise

22/5/2015

- बाप कहते हैं - मैं रहमदिल भी हूँ तो कालों का काल भी हूँ। मुझे बुलाते ही हैं पतित-पावन आकर पावन बनाओ।
- अमरनाथ बाप कहते हैं तुम सब पार्वतियाँ हो। अभी तुम मामेकम् याद करो तो तुम अमरपुरी में चले जायेंगे।
- बाप आकर राजयोग सिखलाए आदि सनातन दैवी राजधानी की स्थापना कराते हैं।
- बाप आकर गन्दगी से निकालते हैं, जितना जो बहुतों को निकालने की सार्विस करेंगे उतना ऊंच पद पायेंगे।
- बाप ईश्वर पढ़ाते हैं तो उनको अपनी पढ़ाई का जलवा दिखाना है तब तो बाप भी कुर्बान जायेंगे।
- शिवबाबा तो अविनाशी ज्ञान रत्नों का दान देते हैं, जिससे हम राजाओं का राजा बनते हैं।